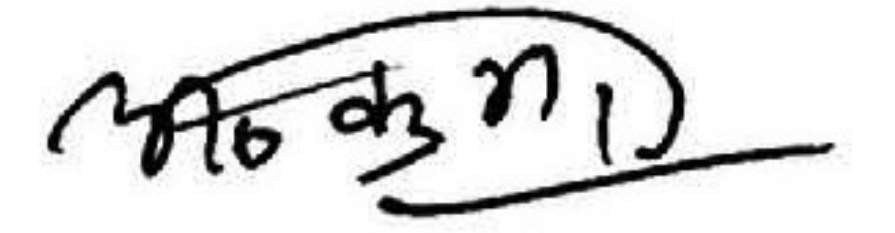


निदेशक की कलम से

केंद्रीय हिंदी निदेशालय उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 1960 में अपनी स्थापना के समय से ही, सरकार द्वारा उसे सौंपे गए हिंदी के प्रचार प्रसार के कार्य में पूर्ण रूपेण संलग्न रह कर निरंतर नई-नई दिशाओं में प्रगति पथ पर अग्रसर है । निदेशालय के अब तक के अधिकांश प्रकाशन तथा क्रिया-कलाप उच्च शिक्षा में हिंदी तथा भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने के लिए उपयुक्त सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से होते रहे हैं । सूचना संचार प्रौद्योगिकी के तेजी से बढ़ते अनुप्रयोग को देखते हुए **बृहत् हिंदी कोश खंड - 1** का प्रथम ई-संस्करण उपलब्ध कराया जा रहा है । पिछले कुछ वर्षों में जन सामान्य, छात्रवृंद इत्यादि सब में डिजिटल माध्यम का प्रयोग बहुत बढ़ गया है । इस माध्यम की बढ़ती लोकप्रियता तथा सरकार के डिजिटल इंडिया के संकल्प को वास्तविक एवं व्यावहारिक रूप देने के लिए निदेशालय अपने लोकप्रिय प्रकाशन **बृहत् हिंदी कोश खंड - 1** को ई-बुक के रूप में प्रकाशित कराने के साथ साथ अन्य महत्वपूर्ण संस्करणों को भी ई-बुक के रूप में प्रकाशित करने की योजना पर कार्य कर रहा है ।

मुझे इस ई.बुक को ऑनलाइन प्रकाशित करते हुए बहुत हर्ष हो रहा है । हिंदी भाषा जानने वाला प्रयोक्ता इस कोश से आधारभूत शब्दावली की जानकारी प्राप्त कर सकता है । भविष्य में भी निदेशालय द्वारा तैयार किए जा रहे कोशों को ऑनलाइन प्रकाशित करने की योजना है । मुझे आशा है कि ये कोश तथा पुस्तिकाएँ हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं को जानने एवं समझने की दिशा में प्रयोक्ताओं के लिए लाभकारी होंगी ।



(प्रोफेसर अवनीश कुमार)

निदेशक

केंद्रीय हिंदी निदेशालय